IKSV MMXV-XVI 2

एम.ए. प्रथमवर्ष, परीक्षा-2016

लोकसंगीत

प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-100 न्यूनांक-36**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

1. ऐतिहासिक तथ्यों को वर्तमान परिवेश में जोड़ते हुए लोकगीत की उत्पत्ति विकास पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

लोकगीतों में ननद, भाभी के संबंधों का लोकगीत के माध्यम से विवेचना कीजिये ।

2. लोकगीतों में लोकजीवन का सामाजिक धरातल व्यक्त करने की अपार क्षमता होती है । स्पष्ट कीजिये ।

अथवा

प्रकृति की नैसर्गिक स्वरूप में लोकगाथा की उत्पत्ति एवं विकास में कितना योगदान है ? समझाइये ।

3. राजस्थान की लोकगाथा 'ढोलामारू रा दूहा' तथा छत्तीसगढ़ी स्वरूप 'भरथरी' लोकगाथा को विस्तार से लिखिये ।

अथवा

लोकगीत को नारी के पुत्री, माता, पत्नी तथा बन्ध्या नारी के रूप में उदाहरण सहित समझाइये ।

4. किन्हीं दो लोकगीतों को उदाहरण सहित समझाइयेः-
अ- सामाजिक लोकगीत ब- धार्मिक लोकगीत
स- मनोरंजन लोकगीत ।

अथवा

अथवा

'कजरी' लोकगीत की जन्मस्थली मिर्जापुर है । इस कथन की ऐतिहासिक पुष्टि करते हुए कजली पर्व पर विस्तार से लिखिये ।

5. बिहार के विदेशिया लोकगीत तथा छत्तीसगढ़ के सुवा पर सारगर्भित लेख लिखिये ।

अथवा

(अ) सही/गलत लिखियेः-

(i) तेराताली नृत्य पंजाब का है ।

(ii) शेखावटी गीदड़ नृत्य राजस्थान का है ।

(iii) नाटी नृत्य हिमाचल प्रदेश का है ।

(iv) बाउल बंगाल का लोकगीत है ।

(v) रोफ कश्मीर में किया जाता है ।

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः-

(i) फूलपाती -----प्रदेश का लोकगीत है ।

(ii) छ.ग. के कबीरधाम जिले में------प्रमुख जनजाति के लोग रहते हैं ।

(iii) नौरता ------ क्षेत्र का गीत है ।

(iv) लावणी का प्रमुख अवनद्ध लोकवाद्य ----- है ।

(v) भटियाली ------प्रदेश में गाया जाता है ।

(स) सही विकल्प चुनकर लिखियेः-

(i) टप्पा गाया जाता हैः-

अ- हिमाचल ब- पंजाब

स- हरियाणा द- उत्तरप्रदेश

(ii) डप्पू लोकवाद्य हैः-

अ- आन्ध्रप्रदेश ब- असम

स- बिहार द- हिमाचल

(iii) डफ नृत्य किया जाता हैः-

अ- हरियाणा ब- राजस्थान

स- पंजाब द- गुजरात

(iv) उत्तर मध्य क्षेत्र में आता हैः-

अ- राजस्थान ब- असम

स- त्रिपुरा द- केरल

(v) महोबा का सम्बन्ध हैः-

अ- आल्हा लोकगाथा ब- भरथरी लोकगाथा

स- चन्दैनी लोकगाथा द- ढोलामारू लोकगाथा ।

(द) सही जोड़ी बनाइयेः-

(i) पण्डवानी - बुन्देलखण्ड

(ii) भरथरी - परधान

(iii) आल्हा - सामदेई

(iv) ढोलामारू - चनवा

(v) लोरिकी - श्री लक्ष्मीनारायण भट्ट

xx

एम.ए. प्रथमवर्ष, परीक्षा-2016

लोकसंगीत

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-100 न्यूनांक-36**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

1. लोकनृत्य का अर्थ समझाते हुए उसकी उत्पत्ति और विकास पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

"भारतीय लोकनृत्यों में युद्ध और व्यायाम की अभिव्यक्ति होती है ।" इस कथन की पुष्टि कीजिये ।

2. शास्त्रीय नृत्यों और लोकनृत्यों के अन्तःसंबंध बतलाते हुए इनके तत्वों का विस्तृत वर्णन कीजिये ।

अथवा

भारतीय लोकनृत्यों में वेशभूषा, आभूषण एवं साज-सज्जा का अपना अलग महत्व होता है । प्रकाश डालिये तथा किसी दो पारम्परिक लोकनृत्यों की वेशभूषा, आभूषण एवं साज-सज्जा की सूची बनाइये ।

3. गीत, लय, ताल एवं वाद्यों का लोकनृत्यों में क्या भूमिका है ? सविस्तार लिखिये ।

अथवा

भारतीय लोकसंगीत में प्रयुक्त होने वाले किन्हीं पाँच लोकवाद्यों का सचित्र वर्णन कीजिये ।

4. निम्नलिखित किन्हीं दो सांस्कृतिक क्षेत्रों के दो भारतीय प्रतिनिधि लोकनृत्यों का वर्णन निम्नानुसार कीजियेः-
अ- पूर्वी क्षेत्र ब- उत्तर क्षेत्र स- पश्चिम क्षेत्र
द- दक्षिण-मध्य क्षेत्र ।

अथवा

'उत्तर-मध्य क्षेत्र के लोकप्रिय नृत्यों में भगोरिया नृत्य का महत्वपूर्ण स्थान है ।' स्पष्ट करते हुए प्रस्तुतिकरण को सोदाहरण समझाइये ।

5. 'घोटुल' क्या है ? आप इसके बारे में क्या जानते हैं ? विस्तार से समझाइये ।

अथवा

लोकसंगीत में वाद्यों का महत्व समझाते हुए उनका वर्गीकरण कीजिये ।

xx

एम.ए. प्रथमवर्ष, परीक्षा-2016

लोकसंगीत

तृतीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-100 न्यूनांक-36**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

+++

1. 'लोकनाट्य' शब्द से आप क्या समझते हैं ? इसकी परिभाषा स्पष्ट करते हुए इनकी उत्पत्ति पर अपने विचार व्यक्त कीजिये ।

अथवा

"लोकनाट्य में सामाजिक गतिविधियों के दर्शन होते हैं।" अपने शब्दों में उदाहरण देकर समझाइये ।

2. "लोकनाट्य प्रकृति की अनोखी देन है ।" इस कथन की पुष्टि करते हुए भारतीय लोकनाट्य के आरंभ को विस्तार से समझाइये ।

अथवा

भारतीय लोकनाट्यों में विदूषक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । इस कथन की पुष्टि कीजिये ।

3. करुण रस एवं हास्य रस का लोकनाट्य से क्या सम्बन्ध है ? उदाहरण सहित समझाइये ।

अथवा

लोकनाट्य में किसी अंचल का इतिहास दिखाई देता है । आशय स्पष्ट करते हुए उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के प्रतिनिधि लोकनाट्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये ।

4. 'तमाशा' लोकनाट्य का सांस्कृतिक परिचय देते हुए विस्तृत वर्णन कीजिये ।

अथवा

उत्तर-मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के एक प्रतिनिधि लोकनाट्य के सांगीतिक अध्ययन पर प्रकाश डालिये ।

5. पद्मभूषण श्री हबीब तनवीर जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके चर्चित किसी एक लोकनाट्य का संक्षिप्त वर्णन कीजिये ।

अथवा

श्री देवीलाल सामर अथवा श्री भगवान साहू का जीवन परिचय लिखते हुए लोकसंगीत में इनके योगदानों का उल्लेख कीजिये ।

xx

एम.ए. अंतिमवर्ष, परीक्षा-2016

लोकनृत्य

प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-100 न्यूनांक-36**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

+++

1. "प्राचीन मंदिरों, पुरतात्त्विक अवशेषों एवं धरोहरों में अंकित लोकनृत्य लोकजीवन को परिभाषित करते हैं ।" इसकी विवेचना कीजिये ।

अथवा

भारतीय लोकनृत्यों में निहित यौगिक क्रियाओं तथा श्रम की उपादेयता का प्रतिपादन कीजिये ।

2. लोकनृत्य की विशेषताएँ बताते हुए उनमें प्रयुक्त लोकवाद्यों की उपादेयता का विश्लेषण कीजिये ।

अथवा

'लोकनृत्य एवं लोकगीत एक दूसरे के पूरक हैं ।' इस कथन को सिद्ध कीजिये ।

3. पद्मश्री शेख गुलाब द्वारा संग्रहित गोंडवानी के सांस्कृतिक अध्ययन पर प्रकाश डालिये ।

अथवा

पद्मश्री शेख गुलाब द्वारा संग्रहित 'पंडुवानी लोकगाथा' का सारांश लिखिये ।

4. 'भारतीय लोकनृत्य और व्यवसायिकता' विषय पर सारगर्भित निबन्ध लिखिये ।

अथवा

"व्यवसायिकता के कारण भारतीय लोकनृत्यों का स्वरूप किस तरह प्रभावित हुआ है ?" इस पर अपने विचार लिखिये ।

IKSV MMXV-XVI 6

5. "लोकनृत्य लोकजीवन की आत्मा है ।" इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिये ।

अथवा

अपने अंचल के दो प्रमुख लोकनृत्यों का वर्णन करते हुए उसमें प्रयुक्त गीत व वाद्य पर प्रकाश डालिये ।

xx

एम.ए. अंतिमवर्ष, परीक्षा-2016

लोकगीत

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-100 न्यूनांक-36**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

+++

1. लोकचेतना को परिभाषित करते हुए, नारी गीतों में लोकचेतना को रेखांकित कर सोदाहरण समझाइये ।

अथवा

लोकदर्शन किसे कहते हैं ? स्पष्ट करते हुए 'लोकगीतों में जीवन दर्शन के तत्व विद्यमान हैं' इस तथ्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिये ।

2. लोकगीतों में निहित साहित्यिक तत्वों का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिये ।

अथवा

"लोकगीतों का लोकजीवन से गहरा संबंध है ।" सारगर्भित लेख लिखिये ।

3. पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के किसी एक लोकनृत्य का सविस्तार वर्णन कीजिये ।

अथवा

भारतीय सांस्कृतिक केन्द्रों के नाम लिखते हुए, किन्हीं दो पारम्परिक लोकनृत्यों का वर्णन कीजिये ।

4. दक्षिण-मध्य केन्द्र में सम्मिलित राज्यों का नाम लिखते हुए, किसी एक लोकनृत्य को विस्तार से समझाइये ।

अथवा

दक्षिण क्षेत्र के पाँच लोकनृत्यों का नाम लिखते हुए, कोलट्टम् नृत्य को प्रस्तुत किये जाने के अवसर, वेशभूषा एवं वाद्यों का वर्णन कीजिये ।

5. जनजातिय बहुल राज्यों के नाम लिखते हुए, दो लोकगीतों का भावार्थ सहित वर्णन कीजिये ।

अथवा

पर्व किसे कहते हैं ? परिभाषित कर, पाँच पर्व गीत का नाम लिखते हुए, अपने क्षेत्र में आयोजित एक पर्व गीत का उदाहरण सहित विवरण दीजिये ।

xx

एम.ए. अंतिमवर्ष, परीक्षा-2016

लोकसंस्कृति

तृतीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-100 न्यूनांक-36**

टीपः- कोई पांच प्रश्न हल कीजिये । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

+++

1. "लोक संस्कृति, संस्कृति का वह भाग है जो ग्राम्य और समुदाय के बीच विकसित हुआ है ।" स्पष्ट कीजिये ।

अथवा

भारत के किन्हीं दो प्रदेशों की लोक संस्कृतियों के पारस्परिक अन्तर्सम्बन्धों का विश्लेषणात्मक वर्णन कीजिये ।

2. आधुनिक लोक रंगमंच का वर्णन करते हुए लोक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को समझाइये ।

अथवा

भारतीय वास्तुकला में लोकसंस्कृति के प्रभाव को समझाइये ।

3. जनजातिय संस्कृति से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण सहित समझाइये ।

अथवा

भील जनजाति के सांस्कृतिक उत्सव को विस्तार से लिखिये ।

4. लोक रंगमंच का प्रारंभिक स्वरूप क्या था ? स्पष्ट कीजिये ।

अथवा

मध्यप्रदेश अथवा महाराष्ट्र में बजाये जाने वाले अवनद्ध लोकवाद्यों का वर्णन कीजिये ।

IKSV MMXV-XVI 8

5. लोकवाद्यों को चार भागों में विभाजित करते हुए पंडवानी लोकगाथा के प्रमुख लोकवाद्य का विस्तार से वर्णन कीजिये ।

अथवा

"लोक संस्कृति में प्रकृति-पूजा का महत्वपूर्ण स्थान है ।" उदाहरण सहित समझाइये ।

xx